मुलुंड सबज़ोन में ईश्वरीय सेवाओं की स्वर्ण जयंती पर...

गोदावरी दीदी 'डी लिट्' से सम्मानित

यह स्वर्णिम अवसर है जो ब्रह्माकुमारीज़ को मुलुंड में 50 साल पूरे हुए और दीदी को यह डॉक्टरेट मिल रहा है। -मनोज भाई कोटक,मेम्बर ऑफ पार्लियामेंट

मुम्बई-मुलुंड। ब्रह्माकुमारीज़ मुलुंड सबज़ोन में ईश्वरीय सेवाओं के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित स्वर्ण उत्सव कार्यक्रम में सबज़ोन की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. गोदावरी दीदी को डॉक्टरेट ऑफ लेटर्स-डी लिट्,यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल अमेरिका, बोलीविया द्वारा उनकी मानवीय सेवाओं के लिए डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त उन्हें वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स,लंदन द्वारा भी अध्यात्म और मनुष्यों में अच्छे गुणों की धारणा कराने की सेवा के लिए सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके,पहले भारतीय जिन्हें 174 वर्ल्ड रिकॉर्ड पुरस्कार एवं भारत गौरव सम्मान प्राप्त हुआ उनके द्वारा दिया गया। इस मौके पर राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन,अति. महासचिव,ब्रह्माकुमारीज़ ने कहा कि दीदी अकेली नहीं हैं, उनका साथी भगवान है। भारत की सारी नदियों का यादगार पानी के लिए नहीं बल्कि शिवशक्तियाँ हैं, जो ब्रह्माकुमारियाँ बनी हैं और परमात्मा शिव का ज्ञान सारे विश्व में फैला रही हैं। राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी,संयुक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़ ने गोदावरी दीदी को मुलुंड सेवा के 50 साल पूरे करने और डॉक्टरेट की डिग्री के लिए बधाई देते हुए कहा कि मुम्बई में 150 से भी ज़्यादा ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र और गीता पाठशालायें हैं। राजयोगी रतन थडानी,डायरेक्टर एंड चेयरमैन,ब्रह्माकुमारीज़ वर्ल्ड स्पीरिचुअल यूनिवर्सिटी,यू.के.,डायरेक्टर,ब्रह्माकुमारीज़ इनफॉर्मेशन सर्विसेज़,यू.के. ने अपनी शुभ भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि जैसे दीदी ने अपनी विशेषताओं को सेवा में लगाया है वैसे ही हम सबमें भी कोई न कोई विशेषता है और उसे हमें मानव सेवा में लगाना चाहिए। राजकुमार कोहले,जानवीस मल्टी फाउण्डेशन वंदे मातरम डिग्री कॉलेज,डोम्बिवली वेस्ट ने कहा कि सभी पावन बनने के लिए नदियों पर जाते हैं परंतु गोदावरी दीदी यहाँ ही अपनी सेवाओं द्वारा सबको पावन बना रही हैं। मिहीर कोटेचा,मेम्बर ऑफ लेजिस्लेटिव एसेम्बली, जयंत छेड़ा,एडिटर,प्रिंटर एंड पब्लिशर,गुर्जरमत गुजराती न्यूज़पेपर, माया कोठारी,मैनेजिंग ट्रस्टी,श्री कच्छी लोहना महाजन, मुलुंड, राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू दीदी,नेशनल कोऑर्डिनेटर,एजुकेशन विंग,ब्रह्माकुमारीज़ ने भी अपनी शुभभावनायें व्यक्त की। राजयोगिनी ब्र.कु. गोदावरी दीदी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि परमात्मा शिव के साथ और सभी भाई-बहनों के परिश्रम से ही यह प्राप्ति हुई है। मेरी सिर्फ एक आश है कि आप सभी का परमात्मा के साथ अच्छा रिश्ता बना रहे। वे हमें समय प्रति समय शिक्षाएं और इशारे देते रहते हैं। ब्र.कु. लाजवंती दीदी,प्रशासिका,भांडुप सेवाकेन्द्र ने शब्दों से सभी का स्वागत किया तथा ब्र.कु. ई.वी. गिरीश,कॉर्पोरेट ट्रेनर एवं लाइफ कोच ने मंच का नेतृत्व संभाला।

जब भी मैं ब्रह्माकुमारी सेंटर पर जाती हूँ तो मुझे मन की शांति मिलती है। ब्रह्माकुमारीज़ ही ऐसी संस्था है जो आत्म निर्भर है और हमें भी ऐसा बनना सिखाती है। - प्रसिद्ध अभिनेत्री वर्षा उसगांवकर

आत्मिक शांति का उद्गम स्थल ब्रह्माकुमारीज़

धूमधाम से मनाया सेवाकेन्द्र का 27वाँ वार्षिकोत्सव

वाराणसी-नाटी इमली(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेन्द्र का वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूजा दीक्षित,महानगर मंत्री,भाजपा महिला मोर्चा,वाराणसी ने उपस्थित जन-समुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था सामाजिक उत्थान और आत्मिक शांति का उद्गम स्थल है। अनेकों विपरीत परिस्थितियों के बीच उलझन और तनावग्रस्त मानव को यहाँ आकर सुकून मिलता है। साथ ही उन्होंने वार्षिकोत्सव की सभी को बधाई दी। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. चंदा बहन ने कहा कि मानव का जीवन स्तर ऊँचा उठाने जैसा महान कर्त्तव्य और कोई नहीं। ब्रह्माकुमारी संस्थान मानवीय संस्कारों का दिव्यीकरण करके नर से श्री नारायण और नारी से श्री लक्ष्मी समान बनने की शिक्षा देता है। यह एकमात्र परमपिता परमात्मा शिव की दिव्य शिक्षा है जिसके बल पर ही परिवर्तन सम्भव है। कार्यक्रम में वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. मोहन भाई, राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी, ब्र.कु. गीता बहन, ब्र.कु. दिनेश भाई आदि ने भी अपनी शुभ कामनायें दीं। कार्यक्रम का संचालन राजयोगी ब्र.कु. बिपिन भाई ने किया।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा उमरई गांव में...

आध्यात्मिक प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

हरपालपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के हरपालपुर सेवाकेन्द्र द्वारा उमरई गांव में आध्यात्मिक प्रदर्शनी लगाई गई तथा समय की पहचान, व्यसन मुक्त जीवन आदि विषयों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में ग्राम उमरई से प्रधान उदय भान सिंह तथा गांव के भाई-बहनों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम का लाभ लिया। कुमारी तृप्ति ने स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी। स्थानीय सेवाकेन्द्र से ब्र.कु. आशा बहन ने कहा कि अपने विचारों को सकारात्मक बनाएं और वाणी को सरल बनाएं। भोजन का मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए यदि परमात्मा को भोग लगाकर ही भोजन स्वीकार करते हैं तो भोजन प्रसाद बन जाता है जो मन और तन को स्वस्थ रखता है। इसके साथ ही उन्होंने सभी को विश्व बंधुत्व की भावना को लेकर संगठित और मिलकर रहने की अपील की। जीवन में सहन करने की, समाने की, परखने की, निर्णय करने की, सामना करने की शक्ति हो तो हर परिस्थिति में सहज ही परिवर्तन कर सकेंगे और चुनैतियों में सफल हो आगे बढ़ते रहेंगे।

स्वस्थ जीवन के लिए हो आध्यात्मिक साधना और सात्विक दिनचर्या : डॉ. गुप्ता

नीमच-म.प्र.। वर्तमान समय में जीवन शैली तनाव और अस्त-व्यस्त दिनचर्या की हो गई है, इसी कारण लगभग हर व्यक्ति चाहे शारीरिक अथवा मानसिक रूप से कहीं न कहीं अस्वस्थ महसूस करता है और जीवन की स्वाभाविक खुशी गायब सी हो गई है। धन कमाने की लिप्सा और साधनों के जुगाड़ के पीछे आदमी आध्यात्मिक साधना एवं सात्विक दिनचर्या से बहुत दूर हो चला है, अतः यह ज़रूरी है कि प्रकृति ने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए जो बायोलॉजिकल क्लॉक(जैविक घड़ी) की दिनचर्या बनाई है, अर्थात् समय पर जागना, समय पर सोना, आध्यात्मिक साधना, शारीरिक व्यायाम, संतुलित आहार एवं सामाजिक मिलनसारिता के जो नियम बने हैं उनका पालन अवश्य करना चाहिए। जीवन जीने के लिए ये सभी बातें अति आवश्यक हैं। उपरोक्त विचार माउण्ट आबू से आये विश्व प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. सतीश गुप्ता जिन्होंने अपनी राजयोग साधना की रिसर्च और चिकित्सा पद्धति से हज़ारों लोगों को गंभीर रोगों से मुक्ति दिलाकर स्वस्थ एवं खुशहाल बनाया है ने अपने सम्बोधन में व्यक्त किये। आप ब्रह्माकुमारीज़ के ग्राम-जमुनिया कला में आयोजित विशाल आध्यात्मिक समागम को सम्बोधित कर रहे थे। आपने यह भी बताया कि राजयोग साधना यदि ब्रह्ममुहूर्त में विधि पूर्वक की जाए तो अनेकानेक रोगों से मुक्ति मिल सकती है। इस विशाल आध्यात्मिक समागम को माउण्ट आबू से आईं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. बाला बहन ने भी सम्बोधित किया। राजयोगिनी ब्र.कु. सविता दीदी ने सभी का स्वागत किया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन ब्र.कु. सुरेन्द्र भाई ने किया। बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर कार्यक्रम का लाभ लिया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th Jan, 2022
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक एवं सम्पादक - गंगाधर नरसिंघानी, मुद्रक - श्री मुकेश मंगल, डी.बी. कॉर्प.लि. द्वारा भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News www.omshantimedia.org